



॥ श्रीमद्भगवद्गीता से भगवान श्रीकृष्ण
के संक्षिप्त उपदेश ॥
श्रीकृष्णार्पणमस्तु

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्रीमद्भगवद्गीता से भगवान श्रीकृष्ण के संक्षिप्त उपदेश ॥

कर्म करते रहो, फल की चिंता मत करो।

अपना कर्तव्य पूरी निष्ठा से निभाओ और परिणाम ईश्वर पर छोड़ दो।
धर्म के मार्ग पर सदैव अडिग रहो।

सत्य और न्याय का साथ कभी न छोड़ो।

मन को अपने वश में रखो।
नियंत्रित मन आपका सबसे बड़ा मित्र है, जबकि अनियंत्रित मन सबसे
बड़ा शत्रु।

सुख-दुःख में समभाव रखो।

जीवन की हर परिस्थिति को धैर्य और संतुलन के साथ स्वीकार करो।

अहंकार का त्याग करो।

विनम्रता और सेवा का भाव जीवन को श्रेष्ठ बनाता है।

क्रोध और लोभ से दूर रहो।

ये दोनों मनुष्य के पतन के प्रमुख कारण हैं।

ईश्वर पर विश्वास रखो।

सच्ची श्रद्धा और भक्ति से जीवन में साहस और शांति प्राप्त होती है।

आत्मा अमर है।

शरीर नश्वर है, लेकिन आत्मा कभी नष्ट नहीं होती।

सभी प्राणियों के प्रति दया और प्रेम रखो।

समभाव और करुणा ही सच्चे धर्म के लक्षण हैं।

भक्ति, ज्ञान और निष्काम कर्म ही जीवन का सच्चा मार्ग हैं।

इनका पालन करने से मनुष्य आध्यात्मिक उन्नति और परम शांति प्राप्त करता है।

॥ जय श्री कृष्ण ॥

